शिक्षण पाठ योजना

सेमेस्टर - V

MJ - 9 : भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र और हिंदी आलोचना व्याख्यान घंटे : 60

उद्देश्य : पाठ्यक्रम के इस अंश का अधिगम परिणाम निम्नवत होगा :

1. विद्यार्थी भारतीय काव्यशास्त्र की परंपरा से परिचित हो सकेंगे।
2. काव्य के महत्वपूर्ण उपादानों से परिचित हो सकेंगे।
3. काव्यशास्त्र के विभिन्न संप्रदायों की जानकारी होने पर विद्यार्थियों में काव्य के पाठ को समझने की क्षमता विकसित हो सकेगी ।
4. विद्यार्थी साहित्य सृजन के मूलाधारसृजन की केंद्रीय चेतना और उसके विभिन्न प्रयोजनों को समझ सकेंगे ।
5. उनमें साहित्य सृजन की अभिरुचि पैदा हो सकेगी ।
6. विद्यार्थी कविता के मानकों को समझ कर कविता का सही ढंग से विश्लेषण कर सकेंगे
7. विद्यार्थी पश्चिमी साहित्य चिंतन की परंपरा से परिचित हो सकेंगे ।
8. विद्यार्थियों में आलोचना दृष्टि विकसित होगी ।
9. वे भारतीय और पाश्चात्य आलोचना दृष्टियों का तुलनात्मक विवेचन कर सकेंगे ।
10. उन्हें उन्हें आलोचना की नई प्रणालियों का ज्ञान प्राप्त होगा ।
11. उनमें साहित्य को समझने की दृष्टि विकसित हो सकेगी ।

क्र . सं	प्रस्तावित संरचना	व्याख्यान घंटे	कार्यप्रणाली	मूल्यांकन विधि
इकाई-I	काव्य के लक्षण, काव्य हेतु ,काव्य प्रयोजन, काव्य गुण ,काव्य दोष ,रस और उसके भेद, अलंकार (अनुप्रास यमक श्लेष उपमा रूपक वक्रोक्ति उत्प्रेक्षा भ्रांतियां)	20 घंटे	व्यख्यान और चर्चा	कार्यभार
इकाई-II	1. प्लेटो के काव्य सिद्धांत 2. अरस्तु (अनुकरण एवं विवेचन सिद्धांत) 3. लोंजाइनस (उदात्त सिद्धांत) 4. कॉलरिज (कल्पना सिद्धांत) 5. इलियट की अवधारणाएँ	20 घंटे	व्यख्यान और चर्चा	कार्यभार

इकाई-III	आलोचना : परिभाषा ,स्वरूप और विशेषताएं, आलोचना के प्रकार, (सैद्धांतिक स्वच्छंदतावादी मार्क्सवादी)	20 घंटे	व्यख्यान और चर्चा	कार्यभार

अनुशंसित पुस्तके -:

1. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र - डॉ. कृष्णदेव शर्म
2. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र - डॉ.गणपतिचंद्र गुप्त

- द्वारा तैयार
सुश्री प्रतिमा परधिया